

10
6
A
N
S
D
H
L
O

ॐ नमो भगवते ॥ ॥

二二三

॥ ग० ॥ ५० ॥ २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

727
~~426~~

॥ गङ्गा ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ अग ॥ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२ एम बा न्या थ ना ॥

॥ गङ्गा नमः ॥

॥ नमो ॥ २

卷之五

२ गा ह वा ना ॥

ॐ नमः शिवाय

ASHA ARCHIVES

अति तत्तत्पूर्व निनाकात्र सध गुनासिद्धि सव सुनिश्चाननि
व ४ त्रिद वंशुहर्तु सदाकमरुर्तु य वक्रासाक्रान्त यत्रय
दव ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुहर्तु ॥ १ ॥ अरुनि सुत्रयिन
क्रिययातक्रान्तिनात्तनमानं ४ निरुवंधूवत्रन वत्रनत्र
हर्तु यत्रवक्रसाक्रान्त यत्रयदव ॥ श्रीनाथनाथसुत्रन

रुहर्तु ॥ २ ॥ शुभानं वृक्षानं सदासावधानं ४ त्रिदत्त
वार्त सदासिद्धिनागि वधकविनानं सदास्नानगहर्तु अ
कवत्रयिनि लिच्छा अरुनिवास् यत्रवक्रगच्छा न लभन
त्रयदव ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुहर्तु ॥ ३ ॥ सत्रयिन
वधंशुवत्रक्रान्ति सत्रय अरुनि सत्रय गुनाकात्रदव

संकनरुं नृणां त्रयं नृणां नाहनिर्म कृकसर्वं यत्र वृक
साश्चा तल्लभ नखदर्वं ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुं रुं ॥ ४ ॥
वन्दादश्चिदिकुं रुं स कृकसर्वं अहानात्र नरुं रुं रुं
त्रिकात्रसदाकात्र कागि वन्दे रुं यत्र वृकसाश्चा तल्लभ नखद
व ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुं रुं ॥ ५ ॥ अहं दं अचू दं महा

दुषदं नृ श्रीनाथनाथल्लभ नखनार्थं यत्र वृकसाश्चा तल्लभ
नखदर्वं ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुं रुं ॥ ६ ॥ विरुं नं विरुं
रुं महानाद्वार्कं यत्र अहं स हि रुं नार्थं रुं नार्थं यत्र वृ
कसाश्चा तल्लभ नखदर्वं ॥ श्रीनाथनाथसुत्रनरुं रुं ॥ ७ ॥
त्रिदर्वं त्रिपाकं त्रिहं विनाद्विनासं नरुं रुं नृणां सनं य

यं न कृत्वा कथं न नात्र मंत्रं गुपयान स हि न शीनाथना
यं स्वनाथं यत्र वक्रा साक्षात्पुण्यं न खदं वं ॥ श्रीनाथनाथं सत्र
नंतरं हं ॥ ६ ॥ ७ ना ७ कै श्रीनाथ काञ्चुल कनाम ४ वात्रवा
गत्र पुत्रु निकृत्वा ४ श्रीनाथ च न न याद् कानमस्तु न न मानि
हं समाफ ॥ गुरु ॥ ॥ ००० ॥  ॥ २५०० नमो गनसाया ॥

कैर्भूकयविका ॥ ॥ रुदिनड गर्वश्च लदियशीका डिभ्र
नृणीष्टि गनिय ॥ ॥ चक्रद्वया उभय पूर्वसनया डिनिन
सकथनदिय चाक्रसुखकनदिया आयविकाया यरुना
॥ ॥ यर्कवानकनरु विवान ॥ ॥ कृत्वा कृत्वा लानया तु
लानया विवानयाय ॥ ॥ न विरुभ कि हा ००० न्म लान ॥ ॥

11

順子

ਸ ਸ ਹਾ

॥ यू न

二五

॥ नि ध

॥ ३४ ॥

५५

॥ वृत्त



पूनुऊनखेतनकुवाययणी किजनिबाद नहा०० कि कि न
कस न दे स न्या व ०० का ०० ॥ ॥ शुक्र या थन स हा न सा उम अ
यूडा रु स डायुडा असा य न दे स ड क य नि बा न द यु ड अ न ॥
॥ पूनुऊनखेतन ग निश्च न क वा न पी का य वी स वि या वि
म ग न म यि धा न वू द यि कि नू धि न व ह यि ॥ ॥ ग निश्च न

या थन स हा न सा व स वि या नि नि य नि अ ति न स ना या ड
अ धा न क द्व द यु ड हि वू सि क्का ड डायु ड अ न ॥ ॥ का न
या थन स हा न सा ग न ड क य नि सि क व क बा न द यु ड अ न
॥ ॥ ऊं मू क या व ह य या न ॥ ॥ अ दि न या थन ल म
हा वि ॥ ॥ ह म या थन ग द म सा न ॥ ॥ ऊं म न या थन र

हं यः ॥ ॥ वृद्ध्या धनस्तु ता क हि क २ नय द यु ॥
 वृत्त्यनिय धनस्तु ता यि न या हि क वान ॥ ॥ गृह्या धनस्तु
 वा ग यि ॥ सु अ यि ॥ य द स या वान द यु ॥ ॥ गनि धन
 या धनस्तु धि स यि या गि य नि न स ता या ॥ हि षू सि क्का यु ॥
 धन ॥ ॥ का न या धनस्तु ग न ॥ य नि सि क्का वान द यु ॥ ॥

आश्विन मसूरि
 ASHWINI ARCHIVES

॥ ॥

धनं नृक य नि का स्ता क ॥ ॥ गृह ॥ ॥ कृ ॥ ॥
 १ ॥ ॥ १ ॥ नम ॥ ॥ ग व न वा गृ दे वा य ॥ ॥ के सु व न
 य सि र्व ह ॥ १ ॥ य षि ता ना य न थ ॥ २ ॥ मा य व मा य ना थ
 व ॥ ३ ॥ ए वि द्रा लु रु ग न न थ ॥ ४ ॥ र्व ग व र्व स मू द न
 ॥ ५ ॥ र्व ग व स मू द न ॥ ६ ॥ कृ गृ वि क स ना म ॥

॥ १ ॥ विष्णु ॥

॥ २ ॥ सप्तमः ॥

॥ ३ ॥ बुद्धिः ॥

॥ ४ ॥ निधनः ॥

॥ ५ ॥ निधनः ॥

॥ ६ ॥ निधनः ॥

॥ ७ ॥ निधनः ॥

॥ ८ ॥ निधनः ॥

॥ ९ ॥ निधनः ॥

॥ १० ॥ निधनः ॥

॥ ११ ॥ निधनः ॥

॥ १२ ॥ निधनः ॥

॥ १३ ॥ निधनः ॥

१ दाशानकानदसि वृत्र भूः
२ मानसनाशनदसि ह्यमानदः
३ निनकधदसि मृगवासिनिद
४ यथानदसि वक्रमाधदिवि॥
५ निनिद्रनदसि र्वीमाधदिवि
६ इहिकानदसि दीकनिमिक
७ मलारनदसि र्वीमाधदिवि
८ र्मानिदसि यानसुनिददिवि
९ सुसुदसि सुनसुनिददिवि
१० वक्रासुदसि वक्रावसुददिवि
११ दाधदसि वृत्राशानिददिवि
१२ दाहिनिनकानदसि सुक्रसकामा

धानुदसि सुवधमाधदिवि॥
१ वधदसि र्वीमाधदिवि॥
२ सानविदसि नानाविदमाधदिवि
३ र्वीमाधदसि सुदशानमाधदिवि
४ यथानदसि नानाविददिवि
५ वक्रासुदसि सुक्रासिनिददिवि
६ यथानदसि नानाविददिवि
७ वक्रासुदसि सुक्रासिनिददिवि
८ यथानदसि नानाविददिवि
९ वक्रासुदसि सुक्रासिनिददिवि
१० यथानदसि नानाविददिवि
११ वक्रासुदसि सुक्रासिनिददिवि
१२ यथानदसि नानाविददिवि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ अथिदिनि नानावासासा ॥
२ सुमशायमसर्वयुधिवे ॥
३ अमनप्रकाशसा ॥ ॥
४ वर्द्धययुका धानसा ॥ ॥
५ वृष्टानि न ऊ वि न ॥ ॥
६ शुक्रकययु नि सनी ॥ ॥
७ अलिधमासकयुसा ॥ ॥
८ गारुमानरवा न ॥ ॥
९ कतुकोलनरवाना ॥ ॥
१० सप्तमशक्रन ॥ ॥

ॐ ह्रीं नमो भगवते
श्री कृष्णाय नमः

१ सायसिनविना ॥ १ ॥
 २ र्योरवयायना ॥ २ ॥
 ३ साहासना ॥ ३ ॥
 ४ शानुनविना ॥ ४ ॥
 ५ वरुवना ॥ ५ ॥
 ६ रसायववकीना ॥ ६ ॥
 ७ रुतकीना ॥ ७ ॥
 ८ आरवाधदिना ॥ ८ ॥
 ९ साजाननुना ॥ ९ ॥
 १० तातुना ॥ १० ॥
 ११ आसुनिकना ॥ ११ ॥
 १२ कानिककायना ॥ १२ ॥
 १३ धनायानना ॥ १३ ॥

नरव	क	मिना
वुरव	वु	वदनासि
मिधु	वु	
कका	व	
सिरु	क	

१ धरुअयानुसु ॥
 २ धसअयानिमिहति ॥
 ३ सिरुअयानसिद्य ॥
 ४ शोनअयानिवा ॥
 ५ वरुअयानसर्द ॥
 ६ वनाअयानकु ॥
 ७ रानुअयानकोसि ॥
 ८ धीरुअयानधन ॥
 ९ धनअरुवना ॥